दो माहके बकायेपर कटेगी बिजली

बकायेदारोंके खिलाफ अभियान तेज

प्रत्यक माह की वसूली के लक्ष्य को पूरा करने के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों का निरंतर मंथन चल रहा है। बकाये की बढ़ती संख्या पर लगाम लगाने का निर्देश बिजली विभाग के अधिकारियों ने दिया है। अब दो माह के बकाये बिल पर घरों के बिजली गुल हो सकती है। बकायेदारों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। इसके पहले पांच हजार के बकायेदारों को चिन्हित कर कनेक्शन काटने की काररवाई की जाती है। नगर के विद्युत उपकेन्द्रों करेली, करेलाबाग, बमरौली, कानपुर रोड खुसरोबाग, कल्याणी देवी, पावर हाउस, रामबाग, बैरहाना, फोर्टरोड, टैगोर टाउन, जार्जटाउन, बेली, तेलियरगंज, गोविंदपुर से जुड़े इलाकों में दो दर्जन से ज्यादा कनेक्शन बकाये पर काटे गये। बिजली विभाग ने स्मार्ट मीटर के जरिये बिजली का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को सलाह जारी की है। बिजली उपभोक्ता स्मार्ट मीटर का बिजली बिल/रिचार्ज बकाया है। वह अपना बकाया बिल शीघ्र जमा कर दें। बकाया रहने की स्थिति में स्मार्ट मीटर की विद्युत आपूर्ति स्वत:(आटो डिसकनेक्ट) बंद हो सकती है। जिससे अनावश्यक असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही बिजली चोरी, मीटर बाइपास, कटिया डालकर अथवा अवैध तरीके से विद्युत का उपयोग न करें, विद्युत चोरी दंडनीय अपराध है। जांच के दौरान पकड़े जाने पर विद्युत अधिनियम के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज किया जायेगा तथा भारी जुर्माना व विधिक काररवाई की जायेगी। नगर के अलग अलग फीडर से जुड़े इलाकों में कटियामारी और मीटर में सेंधमारी कर बिजली चोरी की जांच की तैयारी की जा रही है। इसके लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम गठित की गयी है। कर्मचारी नियमित रूप से इलाके के फीडर के लोड की जांच कर विवरण जुटायेंगे। जिन फीडर पर अधिक लाइनलास विवरण में दर्ज होगा। ऐसे इलाकों को चिन्हित कर टीम प्रवर्तन दल के साथ औचक निरीक्षण करेंगे।

प्रतिष्ठानमें मिली गंदगी सुधारके निर्देश

खाद्य टीम ने बुधवार को एमजी मार्ग सिविल लाइन्स स्थित खाद्य प्रतिष्ठान अहमद चिकन टिक्का का निरीक्षण किया। मौके पर प्रतिष्ठान में कई कमियां पायी गयी। कारोबार में कार्यरत कर्मचारियों का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र नहीं बना मिला, खाद्य पंजीकरण निर्धारित श्रेणी में नहीं पायी गयी। इसके अलावा बेसमेंट में जहां ग्राहकों के बैठने की व्यवस्था है, वहां गंदगी मिली। डीप फ्रीजर गंदा मिला। जनहित एवं जन स्वास्थ्य के दृष्टिगत प्रतिष्ठान में सुधार होने तक खाद्य कारोबार का संचालन बंद करने का निर्देश दिया गया।



संगममें स्नानके लिए जुटे श्रद्धालु एवं चेंजिंग रूममें जाती महिलाएं।

'प्रयागराज सोरांव महोत्सव' की व्यवस्थाओंमें न बरते शिथिलता

सीडीओ ने संबंधित विभागोंके अधिकारियोंके साथ बैठक कर दिया निर्देश

सोरांव स्थित मेवालाल मैदान में तीन दिवसीय 'प्रयागराज सोरांव महोत्सव' का आयोजन एक नवंबर से होगा। महोत्सव में किसी भी प्रकार की दुर्व्यस्था न हो, इसके लिए सीडीओ हर्षिका सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निदेश दिया है कि महोत्सव को लेकर की जा रही व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय, अन्यथा काररवाई भी की जायेगी।

सीडीओ ने बुधवार को विकास भवन के सभागार में लोक संस्कृति, कला, साहित्य, परम्पराओं तथा स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं जनसामान्य को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के उद्देश्य से 'प्रयागराज सोरांव महोत्सव' का आयोजन के सम्बंध में सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि महोत्सव के सफल आयोजन के लिए महोत्सव स्थल मेवा लाल ग्राउण्ड-सोरांव में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, पार्किंग एवं सुरक्षा व्यवस्था, दर्शकों एवं आमजन के बैठने की व्यवस्था, चिकित्सा एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था, अग्निशमन व्यवस्था तथा विभागीय योजनाओं से सम्बंधित स्टाल लगाने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने के लिए सभी सम्बंधित विभागों के दायित्व निर्धारित किये गये हैं। उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने विभाग से सम्बंधित कार्य एवं दायित्वों का समयानुसार निर्वहन करते हुए 'प्रयागराज सोरांव महोत्सव' का सफलतापूर्वक आयोजन सम्पन्न करायें।

एसआरएन के विस्तारके लिए २१ सरकारी बंगलोंपर चलेगा बुलडोजर

केन्द्रीय पैथोलाजीके सामनेकी पुरानी जर्जर बिल्डिंगका ध्वस्तीकरण एवं समतलीकरण तेज

एसआरएन अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए मिली ३१,३१४ वर्ग मीटर जमीन पर बने २१ सरकारी बंगलों को जल्द ध्वस्त किया जायेगा। एमजी मार्ग पर सीडीओ के सरकारी बंगले से लेकर सीएवी इण्टर कालेज की हदबंदी तक आने वाले इन सरकारी आवासों में से १९ बंगले पहले ही खाली कराये जा चुके हैं, जल्द ही इन भवनों पर बुलडोजर चलाया जायेगा। फिलहाल केन्द्रीय पैथोलाजी के सामने की पुरानी जर्जर बिल्डिंग का ध्वस्तीकरण एवं समतली करण तेजी से किया जा रहा है। २१ सरकारी बंगलों में सीडीओ, डीसीपी गंगानगर, डीसीपी यमुना नगर, उप शिक्षा निदेशक संस्कृत, सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं उच्च शिक्षा निदेशक के आवास शामिल हैं। शासन स्तर से अस्पताल को यह जमीन ९० साल के पट्टे (लीज) पर दी गयी है, जिस पर निर्माण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है। अस्पताल का विस्तार महात्मा गांधी मार्ग तक होगा और ट्रामा सेंटर मुख्य सड़क के पास बनाया जायेगा। अभी अस्पताल में १२९४ बेड है जिन्हें बढ़कर ३००० किया जाना है।मेडिसिन सर्जरी, मैटरनिटी एवं कैंसर चिकित्सा के अलग-अलग ब्लाक भी बनाए जायेगें। अस्पताल में मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण किया जायेगा, १०० बेड का क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा एलवन का निर्माण भी होगा।

कई मोहल्लोंमें बाधित रही बिजली, लोग परेशान

फाल्ट एवं मरम्मत कार्यसे आपूर्ति ठप, पानीके लिए तरसे

नगर के दर्जनों मोहल्लों में रोजाना बिजली संकट से निजात नहीं मिल पा रही है। हाल यह है कि सुबह से मरम्मत का कार्य शुरू होता है, देर शाम तक जारी रहता है। ऐसी स्थिति में लोग परेशान रहते हैं। वहीं पानी की समस्या से जूझना पड़ता है। पुराने नगर के इलाकों खोवा मण्डी, चौक, जीरो रोड, जानसनेगंज, लोकनाथ में महीनों से पूरे दिन बिजली संकट बनता है। हर मिनट में बिजली के आने जाने का क्रम चलता रहता है। शाम को बिजली के आने जाने का क्रम शुरू होता है तो देर रात तक बिजली आती जाती है। व्यापार मण्डल के पदाधिकारी और व्यापारी बिजली की समस्या को लेकर अधिकारियों से शिकायत करते हैं। जिस पर मरम्मत के जरूरी कार्य के हवाला दिये जाते हैं। व्यापारियों का कहना है कि कभी फेज की दिक्कत तो लाइन की ट्रिपिंग की समस्या बरकरार है। जबकि महीनों से पूरे दिन बिजली बंद कर मरम्मत का कार्य किया जाता रहा है। मंसूर पार्क फीडर से जुड़े मोहल्लों में फाल्ट के चलते घंटों बिजली संकट बना रहा है। वहीं मरम्मत कार्य के चलते दर्जनों मोहल्लों सलोरी, गोविंदपुर, तेलियरगंज, छोटा बघाड़ा, सोहबतियाबाग, अल्लापुर, अलोपीबाग में बिजली आपूर्ति बाधित रही है। इसके अलावा बैरहाना, रामबाग, गऊघाट, मुट्ठीगंज, कटघर, कीडगंज, कल्याणी देवी, अतरसुइया, रानीमंडी में बिजली लाइनों के टिपिंग के चलते लोग परेशान रहे है। लोगों का कहना रहा है कि त्योहारों के शुरू होने से पहले बिजली विभाग का निरंतर मरम्मत का कार्य चलता रहता है। इसके बावजूद समस्या ज्यों कि त्यों बनी रहती है। बिजली के आये दिन होने फाल्ट के चलते नगर के गली मोहल्लों में लोग परेशान रहते हैं। वहीं अब अब त्योहारों को लेकर बिजली के चलने वाले मरम्मत के कार्य के चलते दुश्वारियां बढ़ी हुई है। सुबह अचानक विद्युत उपकेन्द्रों से जुड़े इलाकों में ग्यारह बजते ही बिजली कटौती हो जाती है। इसके बाद बिजली कब आयेगी, यह बताने वाला कोई नहीं होता है। लोग फोन कर उपकेन्द्रों पर हाल लेने की कोशिश करते हैं तो कर्मचारियों द्वारा जरूरी मरम्मत के कार्य का हवाला दिया जाता है। इस दौरान सुबह से शाम तक लोग पानी की किल्लत से जूझते रहते है।

सफाई मजदूर एकता मंचने सौंपा १४ सूत्रीय ज्ञापन

सफाई मजदूर एकता मंच यूनियन के प्रतिनिधियों ने विभिन्न लम्बित मांगों को लेकर बुधवार को मंडलायुक्त से मुलाकात की। जिसमें कई बिन्दुओंपर चर्चाकी गयी। प्रमुख रूप से ०१ अप्रैल २६ से बढ़े हुए वेतन के एरियर का भुगतान आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों, ड्राइवर, हेल्पर, माली, कंप्यूटर आपरेटर, सहायक ग्रहकर वसूली तथा अन्य आउटसोर्सिंग कर्मचारियोंको दीपावलीसे पहले बकाया एरियर के भुगतान कराए जाने का आश्वासन दिया गया। नगर निगम में कार्य आउटसोर्सिंग कर्मचारी को वार्षिक बोनस ८.३३ प्रतिशत दिलाने, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को सार्वजनिक अवकाश, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को न्यूनतम मजदूरी २०००० रूपयेका भुगतान करने, नियमित, संविदा तथा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों लोवर, टी-शर्ट और हाफ जैकेट देने, समस्याओं के समाधान दिवस बैठक, मेडिकल क्षतिपूर्ति, सफाई कर्मचारियोंके लिए कालोनी को आवंटित करने मुद्दों को शामिल किया गया था।

कार्तिक माह : संगममें श्रद्धालुओंने लगायी आस्थाकी डुबकी

चेंजिंग रूमका इस्तेमाल करनेपर वसूला जा रहा बीस रुपये

कार्तिक माह में संगम स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का रेला उमड़ रहा है। बुधवार सुबह से दोपहर तक श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाकर गंगा मैया से परिवार की सुख समृद्धि की कामना की।

कार्तिक माह २४ नवंबर को समाप्त होगा। ऐसे में कार्तिक स्नान का महत्व इस माह ज्यादा बढ़ जाता है। कार्तिक स्नान के लिए आसपास जिलों के लोग भी यहां पहुंचते हैं। सुबह से लेकर दोपहर तक श्रद्धालु स्नान दान कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से महिलाओं के लिए चेजिंग रूम न बनाये जाने के कारण निजी एजेंसी मनमाना रुपये वसूल रही है। बताया जा रहा है कि कई चेजिंग रूम बनाये गये हैं और इस्तेमाल करने पर प्रति महिलाएं बीस रुपये भी लिया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं में आक्रोश भी देखा जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि घाट किनारे जल्द से जल्द चेजिंग रूम का निर्माण करायें। ताकि आने वाले दिनों में भीड़ बढ़ेगी और श्रद्धालुओं को खासकर महिलाओं को परेशानी होगी।

पदयात्राकी तैयारीमें जुटे भाजपाई, ३० हजारसे अधिक लोग होंगे शामिल

जिला उपाध्यक्ष अनिल केशरवानीको संयोजक, अनुज कुशवाहा एवं राजेश निषादको मिली सह संयोजककी जिम्मेदारी

भारतीय जनता पार्टी चार नवम्बर को प्रस्तावित विशाल पदयात्रा की तैयारी में जुट गयी। पदयात्रा सुबह ११ बजे धरनास्थल (पत्थर गिरजाघर) से प्रारंभ होगी, जिसका समापन शहीदवाल पर होगा।जिला उपाध्यक्ष अनिल केशरवानी को कार्यक्रम संयोजक और अनुज कुशवाहा एवं पिछड़ा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष राजेश निषाद को सह संयोजक की जिम्मेदारी दी गयी है।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रयागराज महानगर के कार्यकर्ताओं की बैठक बुधवार को सिविल लाइन स्थित भाजपा कार्यालय में हुई। बैठक में संगठनात्मक दृष्टि प्रयागराज महानगर के सभी १५ मंडलों से बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि यह ऐतिहासिक पदयात्रा होगी। कार्यक्रम में काशी क्षेत्र, प्रदेश व केंद्र के बड़े नेता भी शामिल होंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अभी से सभी मोर्चा प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता,जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पूरी मेहनत से लग जाएं । महानगर अध्यक्ष ने कहा कि इस कार्यक्रम में काशी क्षेत्र के विभिन्न जिलों से कार्यकर्ता व समाज के विभिन्न वर्गों के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे। पदयात्रा ४ नवंबर को सुबह ११ बजे धरनास्थल (पत्थर गिरजाघर) से प्रारंभ होगी, जिसका समापन शहीदवाल पर होगा। जिला उपाध्यक्ष अनिल केशरवानी को कार्यक्रम का संयोजक और अनुज कुशवाहा एवं पिछड़ा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष राजेश निषाद को सह संयोजक की जिम्मेदारी दी गयी है।

भाजपा जिला मीडिया विभाग के विवेक मिश्रा ने बताया कि आगामी ४ नवंबर को भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ' का संदेश लेकर विशाल पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। पदयात्रा में भाजपा काशी क्षेत्र के प्रयागराज महानगर,गंगापार, यमुनापार सहित कौशाम्बी, मिर्जापुर, भदोही, प्रतापगढ़ जिले के लोग कार्यकर्ता छात्र सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल होंगे। यात्रा में ३० हजार से अधिक लोगों के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में डा. शैलेश पांडेय, रमेश पासी, विक्रमजीत सिंह भदौरिया, आनंद सोनकर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र मिश्र, शशि वार्ष्णेय, विजय श्रीवास्तव, संजय पासवान, रीता सिंह, पवन श्रीवास्तव,सुजीत कुशवाहा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उमरे की प्रतिभाओंका जलवा, आयशाने जीता प्रथम पुरस्कार

पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से बीते दिनांक २२ से २६ अक्तूबर तक लखनऊ स्थित जिला प्रशिक्षण केंद्र, ऐशबाग में आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय कब-बुलबुल बाल महोत्सव में उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज की तीन नन्हीं बुलबुलों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता से संस्थान का गौरव बढ़ाया। देश के १० राज्यों से आए लगभग २५० प्रतिभागियों के बीच आयशा आलम ने चित्रकला की व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।

सहायक कार्मिक अधिकारी (राज एवं हित)नवाब आलम की पुत्री आयशा आलम ने 'एक पेड़ मां के नाम' विषय पर आकर्षक चित्र बनाकर प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं, राज्य आयुक्त (स्काउट) एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सूबेदारगंज डाक्टर आशीष अग्रवाल की पुत्री आरवी अग्रवाल तथा पावर कंट्रोल मुख्यालय, सूबेदारगंज में तकनीशियन ग्रेड-राम सिंह पाल की पुत्री अर्णा पाल ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में रैंप वाक के जरिये दर्शकों का मन मोह लिया। विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आयशा आलम, आरवी अग्रवाल और अर्णा पाल को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली की उप निदेशक (गाइड) श्रीमती सुरेखा श्रीवास्तव ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

सुश्री पूजा शर्मा, फ्लाक लीडर, सूबेदारगंज तथा सुश्री मंजू जोशी, राज्य संगठन आयुक्त (गाइड), उत्तर मध्य रेलवे के निर्देशन में तीनों बुलबुलों ने उत्साहपूर्वक महोत्सव में भाग लिया। राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा निर्धारित प्रतिभागियों की संख्या पूरी नहीं होने के बावजूद तीनों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। तीनों बुलबुलों की उपलब्धि पर उत्तर मध्य रेलवे, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, प्रयागराज परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालयने हियरिंग इम्पेयरमेंटकी छात्राको माना अयोग्य

(विधि संवाददाता)

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नीट यूजी-२०२६ में दिव्यांग कोटे से एमबीबीएस एडमिशन मांग रही बीएचयू की छात्रा की याचिका खारिज कर दी।कोर्ट ने मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ के एक्सपर्ट पैनल और अपीलीय बोर्ड की राय को सही माना । छात्रा मेडिकल कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम नहीं लगती। काजल त्रिपाठी की याचिका पर न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्य वीर सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश दिया। याची की ओर से ओम नारायण द्विवेदी, त्र्यंबक नाथ मिश्रा और मेडिकल विश्वविद्यालय की ओर से अधिवक्ता प्रतिवादियों की ओर से बालेश्वर चतुर्वेदी ने पक्ष रखा। याची काजल त्रिपाठी ने यू डी आई डी सर्टिफिकेट में ४०फीसदी परमानेंट हियरिंग इम्पेयरमेंट बेंचमार्क डिसेबिलिटी के साथ आवेदन दिया।मेडिकल असेसमेंट बोर्ड के सामने गई बोर्ड ने डिसेबिलिटी सिर्फ १३.१६फीसदी बताई। अपीलमें डिसेबिलिटी बढ़ाकर ७१.३५ फीसदी कर दी गई और टिप्पणी की पेशेंट की सुरक्षा के लिए रिस्क हो सकता है।

माघ मेला: बिजली लाइनोंको बनानेका कार्य आरम्भ



प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में बिजली लाइनों और बुनियादी ढांचे के निर्माण का कार्य तेजी से आरम्भ हो गया है। गंगा का जलस्तर कम होने और रेती उपलब्ध होने के बाद मेला प्राधिकरण और बिजली विभाग ने युद्ध स्तर पर खंभे लगाने और तार खींचने का काम शुरू कर दिया है। ताकि आगामी मेले के लिए निर्बाध और आधुनिक बिजली व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। बिजली विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इस बार भी मेले में डिजिटल तकनीक का प्रयोग किया जायेगा। बिजली के खंभो पर विशेष क्यूआर कोड/बारकोड लगाये जा रहे हैं। किसी भी शिकायत या खराबी की स्थिति में श्रद्धालु या कर्मचारी इस क्यू आर कोड को स्कैन करके सीधे कंट्रोल रूम को सटीक लोकेशनके साथ सूचना दे सकेंगे। जिससे तुरंत समस्याका समाधान होगा।

वन विभागके दैनिक वेतनभोगियोंको न्यूनतम वेतनमान देनेसे इनकार पर राज्य सरकारपर लगा एक लाखका हर्जाना

(विधि संवाददाता)

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के वन विभाग में काम करने वाले दैनिक वेतनभोगियों को न्यूनतम वेतनमान देने से इन्कार करने पर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुधांशु चौहान की खंडपीठ ने राज्य की दोनों विशेष अपीलें खारिज करते हुए एक लाख का हर्जाना लगाया है।

कर्मचारियों के अधिवक्ता पंकज श्रीवास्तव ने अपील का विरोध किया।सोनभद्र के ओबरा वन प्रभाग में जुलाई २००९ से चौकीदार-वाचर-प्रभारी के रूप में कार्यरत रमेश और उमेश को मात्र ६,१६२ रूपये प्रतिमाह मिल रहे थे, जबकि वन विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का न्यूनतम वेतनमान रूपये १८,००० प्रतिमाह है। एकल पीठ ने ८ जुलाई २०२६ को आदेश दिया था कि उन्हें चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का न्यूनतम वेतन दिया जाए, हालांकि भत्ते और वेतन वृद्धि नहीं मिलेंगे। राज्य सरकार ने इसी आदेश के खिलाफ विशेष अपील दाखिल की थी।सरकार की दलील थी कि २४ सितंबर २०२४ के दिशा-निर्देशों के अनुसार याची पात्र नहीं हैं।एकल पीठ ने सुनवाई का अवसर दिए बिना और अंतरिम चरण में ही अंतिम राहत दे दी।याची केवल मौसमी आधार पर कुछ समय के लिए लगे थे और कोई स्वीकृत पद नहीं थे।

हाईकोर्ट ने कहा कि 'पुत्ती लाल' मामले में ही तय हो चुका है कि वन विभाग के दैनिक वेतनभोगियों को 'समान काम के लिए समान वेतन' के सिद्धांत पर न्यूनतम वेतनमान मिलेगा। कोर्ट ने कहा कि पुत्ती लाल के विपरीत होने के कारण ये दिशा-निर्देश स्पष्ट रूप से अवैध हैं। राज्य का यह तर्क कि इनकी वैधता अभी तय होनी है, 'भ्रामक और निराधार' है। रिकार्ड के अनुसार एकल पीठ ने सरकारी अधिवक्ता के निर्देश आने के बाद ही आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि जब कानून पूरी तरह तय है और याची का सफल होना निश्चित है, तो राहत रोकने से उसे गंभीर कठिनाई होती। कोर्ट ने कहा सरकार 'पिक एंड चूज' की मनमानी नीति नही अपना सकती।

कोर्ट ने 'पीड़ा और नाराजगी' जताते हुए कहा कि मामला सुप्रीम कोर्ट तक तय होने के बावजूद वन विभाग गरीब दैनिक वेतनभोगियों के दावों का विरोध कर रहा है। कोर्ट ने इसे 'मनमाना, अवैध और दुर्भावनापूर्ण' तथा 'अत्यंत निंदनीय' बताया। लगभग ३० वर्षों से ये श्रमिक अपने हक के लिए 'दर-दर भटक' रहे हैं। मालूम हो कि २०२३ में हाई कोर्ट के निर्देश पर वन विभाग ने १८,०००रुपये (७वें वेतन आयोग के अनुसार) देने पर सहमति जताई थी, पर नीति न बनने से मुकदमेबाजी जारी रही। सुप्रीम कोर्ट पहले भी चेतावनी दे चुका है कि आदेश लागू न होने पर प्रमुख सचिव (वन) और प्रधान मुख्य वन संरक्षक का वेतन रोका जा सकता है।

डा.संजय सिंह बने वर्षा वन अनुसंधान संस्थानके निदेशक

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के तहत संचालित पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र के प्रमुख डा. संजय सिंह का चयन असम के जोरहाट स्थित प्रतिष्ठित वर्षा वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक पद पर हुआ है। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने डा. संजय सिंह का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा उन्हें इस नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। डा. सिंह का यह चयन वानिकी अनुसंधान, सतत पर्यावरण प्रबंधन और उनके दीर्घकालिक प्रशासनिक अनुभवों की एक उपलब्धि माना जा रहा है। आरएफआरआई पूर्वोत्तर भारत के जैव विविधता से परिपूर्ण वर्षा वनों और उनके पारिस्थितिकीय संरक्षण के लिए देश का एक प्रमुख संस्थान माना जाता है। डा.संजय सिंह के कार्यकाल के दौरान नदी तटीय पारिस्थितिकी, मृदा सुधार और स्थानीय जैव विविधता को संरक्षित करने से जुड़ी कई अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य हुआ है। उनके कई शोधपत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में भी प्रकाशित हो चुके हैं।

जोन छहमें अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

पीडीए के जोनल अधिकारी गौरव कुमार मल्ल के नेतृत्व में बुधवार को जोन-०६ क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की काररवाई की गयी। जोनल अधिकारी के मुताबिक मलाक हरहर चौराहे के आगे लखनऊ रोड पर संतोष पांडेय, उस्मान अहमद एवं अन्य करीब पांच बीघा और संतोष पांडेय, साजिद अहमद, उस्मान अहमद, जैद अहमद, इस्तियाक अहमद ड्रीम सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड एवं अन्य द्वारा करीब आठ बीघा में की गयी अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। काररवाई में श्याम कृष्ण राय अवर अभियन्ता, सुपरवाईजर एवं पीडीए प्रवर्तन टीम आदि मौजूद रहे।

भामाशाहकी मूर्ति स्थापनासे व्यापारियोंका बढ़ा सम्मान

प्रयागराज में भामाशाह की भव्य मूर्ति स्थापना को लेकर प्रयागराज व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की बैठक जिला कार्यालय, सिविल लाइंस में हुई। इस मौके पर प्रयागराज व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुशांत केसरवानी एवं चेयरमैन मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा २९ जून को भामाशाह जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस घोषित करने के साथ मूर्ति स्थापना की पहल करना व्यापारी समाज के मान-सम्मान को बढ़ाने वाला कदम है।

व्यापारियों की प्राथमिकता सम्मान और सुरक्षा के साथ व्यापार करना है। त्याग, दान और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को सम्मान मिलेगा, तथा नई पीढ़ी को उनके योगदान से प्रेरणा मिलेगी। बैठक में विजय केसरवानी, संतोष गुप्ता, युवा जिलाध्यक्ष प्रियंक कुमार गुप्ता, महानगर उपाध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

पौधोंके संरक्षण, देखभाल एवं जीविततापर दिया जोर

पौधरोपण महायज्ञ, गंगा एवं पर्यावरण संरक्षणकी समीक्षा

बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय में पौधरोपण कार्यो की प्रगति, पौधों के संरक्षण, गंगा एवं पर्यावरण संरक्षण की समीक्षा की गई। इस बैठक में वृक्षारोपण महायज्ञ-२६ के अंतर्गत रोपित पौधों की जियो-टैगिंग, पौधों की सुरक्षा एवं सिंचाई व्यवस्था तथा विगत वर्षो में कराए गए पौधरोपण कार्यों के सत्यापन की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों से पौधों के सर्वेक्षण, जियो-टैगिंग एवं पौधरोपण की जानकारी ली गई। साथ ही रोपित पौधों के संरक्षण, नियमित देखभाल एवं उनकी जीवित रहने की दर सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह एवं प्रभागीय निदेशक अरविंद कुमार यादव की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति तथा जिला गंगा एवं पर्यावरण समिति की बैठक हुई। जिला गंगा समिति की बैठक में गंगा एवं सहायक नदियों के संरक्षण से संबंधित कार्यो की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि गंगा एवं सहायक नदियों के किनारे अथवा नदी क्षेत्र में किसी भी निर्माण परियोजना को प्रारंभ करने से पूर्व राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) से नियमानुसार आवश्यक अनुमति प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाए। निर्देशित किया कि गंगा एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सभी कार्य समयसीमा में पूर्ण किए जाएं। कार्यो में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित विभाग की जिम्मेदारी निर्धारित की जाएगी। प्रभागीय निदेशक द्वारा आगामी गंगा उत्सव के आयोजन को लेकर भी चर्चा की गई। बताया कि प्रत्येक वर्ष ४ नवंबर को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा गंगा उत्सव मनाया जाता है। विद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच स्वच्छता अभियान, प्रश्नोत्तरी, प्रतियोगिताएं, सेमिनार एवं कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। जिससे विद्यार्थियों को गंगा की स्वच्छता, नदी संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। एसडीओ संगीता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जीबी पंत संस्थान एवं पारिस्थितिक पुर्नस्थापना केंद्रके बीच एमओयू

सामाजिक विज्ञान एवं वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लालापतराय रोड स्थित पारिस्थितिक पुनस्थापन केंद्र और झूंसी स्थित जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए है। इस अवसर पर पारिस्थितिक पुनस्थापन केंद्र के प्रमुख डा.संजय सिंह ने बताया कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों संस्थानों के संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए वानिकी, कृषि वानिकी, पारिस्थितिक पुर्नवास और सामाजिक विज्ञान से संबंधित अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने वानिकी के प्रचार-प्रसार में सामाजिक विज्ञान की भूमिका पर विशेष प्रकाश डाला। जीबी पंत संस्थान के निदेशक प्रो.योगेंद्र प्रताप सिंह ने दोनों संस्थानों की ओर से सामाजिक विकास और वानिकी पर आधारित संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनुभा श्रीवास्तवने ग्रामीण विकासमें कृषि वानिकीकी भूमिकाको रेखांकित किया।

डांडिया, छपेली नृत्य और कथककी मुद्राओंने मन मोहा



उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित दीपावली शिल्प मेले में बुधवार को सांस्कृतिक विविधता के रंग देखने को मिले। गुजरात के गरबा और डांडिया नृत्य, उत्तराखंड के छपेली नृत्य, कथक की भावपूर्ण मुद्राओं और बिरहा के लोकस्वरों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथि लोक गायिका संगीता राय, अंजना सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य, महिला सेवा सदन इंटर कालेज, केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा और सलाहकार कल्पना सहाय ने दीप जलाकर किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत प्रयागराज की नृत्यांगना सोनाली चक्रवर्ती एवं उनके साथी कलाकारों ने गुजराती गरबा और डांडिया नृत्य से की। गुजराती लोकगीतों की मधुर धुन पर पारम्परिक पोशाक में सजी कलाकारों ने हाथों में डांडिया लेकर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति केंद्र की ओर से आयोजित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में प्रशिक्षित प्रतिभागियों ने दी। इसके बाद उत्तराखंड से आयीं गीता सिराड़ी एवं उनके दल ने छपेली नृत्य प्रस्तुत कर पर्वतीय लोकसंस्कृति की मनमोहक झलक दिखायी। केंद्र की ओर से आयोजित ब्रह्मनाद प्रतियोगिता में कथक नृत्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाली नवोदित कलाकार परिधि घोष ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों की सराहना बटोरी। उनकी नृत्य मुद्राओं और लयबद्ध पद संचालन ने शास्त्रीय नृत्य की सुंदरता को मंच पर साकार किया।

मध्य